आज के इस यांत्रिक युग में जब जीवन में आनंदभाव तेजी से तिरोहित होता जा रहा है, काव्य रचना और काव्य रसिकता दोनों ही हाशिये पर हैं। ऐसे में श्रीमती श्याम पंडित की 'केसर क्यारी' में संकलित रचनाओं को पढ़ना एक आह्लादकारी अनुभव से गुजरना है।

प्रेम, प्रकृति, देश-भक्ति और देव-स्तुति की बहुरंगी भावनाओं से ओत-प्रोत ये कविताएं, कवयित्री के भाव प्रवण हृदय की मर्मस्पर्शी व्यंजनाएं हैं। कविताओं की इस संचयिनी में अनेक प्रभावशाली रचनाएं हैं 'वीरों का सफर', 'प्रतीक्षा' और 'सहगमन' जैसी कविताएं मन को आन्दोलित कर देती हैं।

श्रीमती पंडित की भाषा सरल, तरल और प्रसाद गुण से सम्पन्न है। लोक जीवन से जुड़ी उपमाओं और आंचलिकता के संस्पर्श से उनकी कविता में एक विशिष्ट प्रकार की रंगत पैदा हो गई हैं, जो मन को मोहती है।

आपकी संस्था को बधाई कि आपने पिचानवें वर्षीय कवयित्री श्रीमती श्याम पंडित की कविताओं के संकलन 'केसर क्यारी' का प्रकाशन किया। ...एक अच्छी पुस्तक मिलने पर जैसी प्रसन्नता होती है वैसी ही मुझे भी हुई।...इस पुस्तक से स्वयं को जोड़कर मैं अपने आप धन्य हो गया।

बालकवि बैरागी
सुविख्यात कवि एवं पूर्व सांसद

आवरण चित्र : निर्मला सिंह
रेखाचित्र : त्रिभुवन सिंह
पृष्ठ संख्या : 96
श्याम रेखाचित्र : 85
मूल्य रू. 125 मात्र
ISBN81-85878-01-4

लेखिका श्रीमती श्याम पंडित
श्रीमती सुजाता टकनेत के साथ

श्रीमती श्याम पंडित का जन्म 17 मार्च 1913 को हुआ। लखनऊ के कोर्ल्विन कॉलेज में शिक्षा दीक्षा। लखनऊ विश्वविद्यालय से सन् 1934 में अंगरेजी व संस्कृत साहित्य और राजनीति शास्त्र से बी.ए. की उपाधि। प्रारम्भ से ही अंगरेजी व हिन्दी लेखन में गहरी रुचि रही तथा शैक्षणिक और बौद्धिक वाद–विवादों में भाग लिया। कनाडा के पैंतीस वर्ष के प्रवास के दौरान, गीता सत्संग की सदस्य रहते हुए, श्रीमती श्याम पंडित ने भगवद्गीता का रामायण के अनुरूप संस्कृत से श्लोक प्रति श्लोक, हिन्दी के दोहा, चौपाई छन्द में रूपान्तरण किया जिसके प्रकाशन से भारतवंशी गौरवान्वित हुए। इंडो–कनाडा वीमेन एसोसिएशन के, संविधान के प्रभावी हिन्दी रूपान्तरण के लिए श्रीमती श्याम पंडित को कनाडा सरकार द्वारा एक हजार डॉलर का पुरस्कार प्रदान किया गया। 'उमका' उर्दू मुशायरे की पच्चीस वर्ष तक सदर रहते हुए श्रीमती श्याम पंडित ने तरन्नुम में 'केसर क्यारी' की अधिकांश कवितायें पढ़ीं। आजकल अपनी आत्मकथा तथा हरिगीतिका अर्जुन टीका सहित लिख रही हैं।

श्रीमती श्याम पंडित ने जयपुर के अग्रणी शोध व शैक्षणिक संस्थान आईआईएमई के प्रशासनिक भवन का उद्घाटन मंत्रोच्चार के साथ कर, सभी को आशीर्वाद दिया तथा शिक्षा व शोध के इस अनुष्ठान को आगे बढ़ाने के लिए हौंसला अफजाई की।

केसर क्यारी

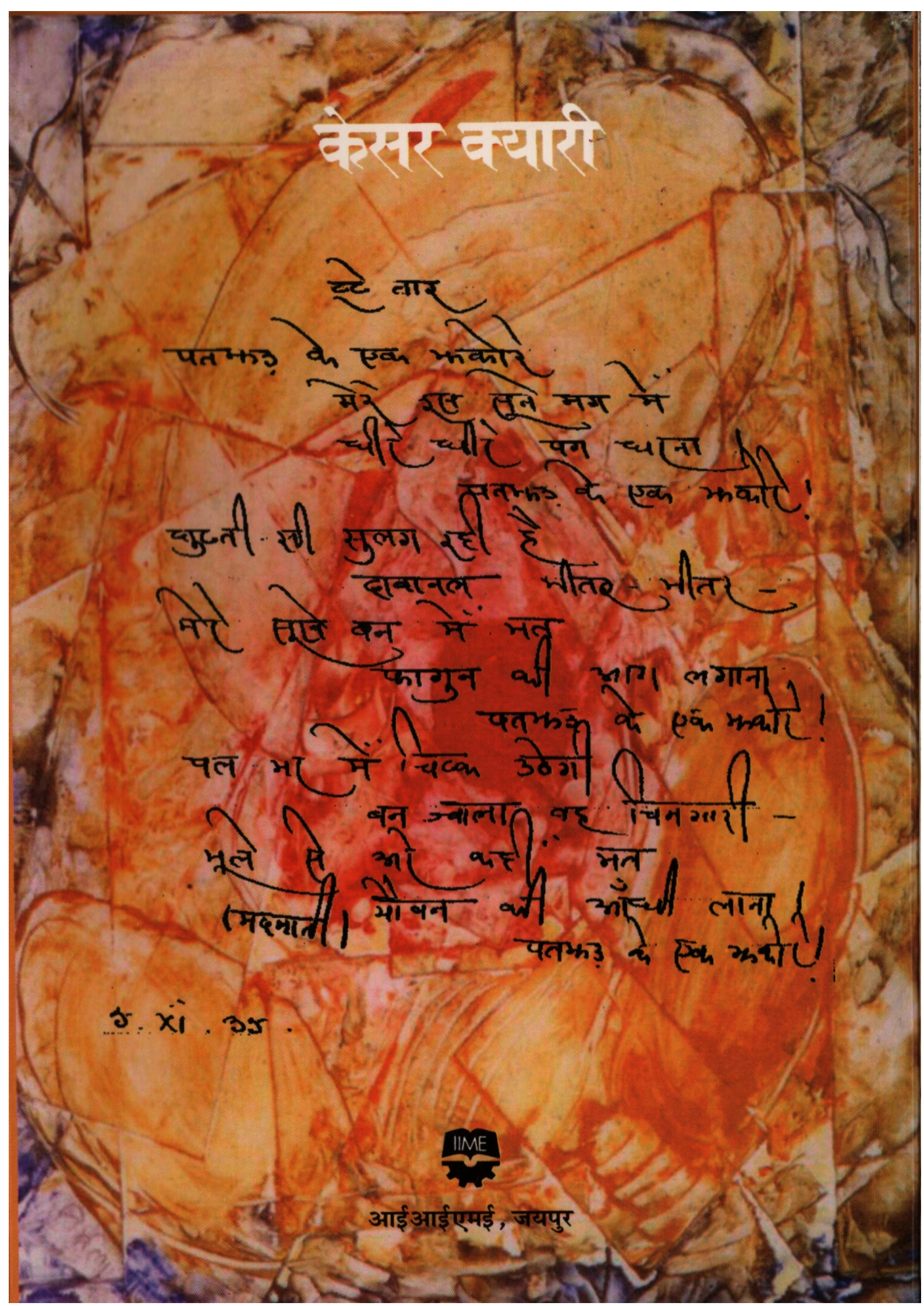

IIME
आईआईएमई, जयपुर